आईसीएआर में राष्ट्रीय संगोष्ठी • आखिरी दिन इंडस्ट्री मीट हुई, 3 दिन में 152 शोध प्रस्तुत

मसालों का आयात 5 बिलियन डॉलर बढ़ाने और पेस्टिसाइड के कम उपयोग का संकल्प

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र (आईसीएआर) तबीजी में चली तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हुआ। आखिरी दिन 67 शोधपत्रों का वाचन किया गया। कुल 152 शोध पत्र तीन दिन में पढ़े गए। इन शोधपत्रों के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है कि आयात बढ़ाने के लिए फसलों पर पेस्टिसाइड का उपयोग कम करना होगा। इसके लिए किसानों को जागरूक करने के लिए सभी कृषि वैज्ञानिकों ने रणनीति बनाने की बात कही है। आखिरी दिन इंडस्ट्री मीट का आयोजन भी किया गया। इसमें कई इंडस्ट्री के

प्रतिनिधि शामिल हुए। व्यवसायियों ने भी आईसीएआर के प्रोडक्ट पर काम करने के लिए उत्सुकता दिखाई है। कुछ व्यवसायियों ने प्रोडक्ट में ज्यादा वैल्यू एड करने के सुझाव भी दिए हैं।

आखिरी दिन इंडस्ट्री मीट का आयोजन किया गया। उद्योगपतियों को आईसीएआर द्वारा तैयार किए गए पेय और खाद्य पदार्थों के सैंपल दिखाए गए। संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व डीडीजी एचएस इंडियन कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च नई दिल्ली डॉ. एनके कृष्णा कुमार थे। इस कार्यक्रम में संस्थान द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट को बाजार में लाने और इन प्रोडक्ट के साथ ही मसालों को इम्पोर्ट के लिए इंडस्ट्री के पार्ट पर सहयोग पर चर्चा हुई। इसके बाद हुए सेशन में एआई एंड स्मार्ट एग्रीकल्चर विषय पर कार्यक्रम हुआ। जिसमें एसकेएनएयू जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह बतौर चेयरपर्सन शामिल हुए। को-चेयरपर्सन डॉ. पीएम गोविंद कृष्णा थे। लीड टॉक में प्रोफेसर आदिनारायण मुंबई ने स्मार्ट एग्रीकल्चर ए वे फॉरवर्ड पर अपना व्याख्यान दिया। 8 कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में शामिल हुए देश भर के कृषि वैज्ञानिकों का आभार आईसीएआर तबीजी के डायरेक्टर डॉ. विनय भारद्वाज ने जताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से नए रिसर्च और सकारात्मक बदलाव के लिए राह खुली है।